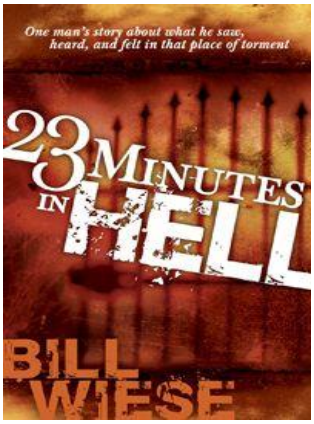

नरक में तेईस मिनट

बिल विइस ने झुलसाने वाली आग की लपटों को नरक में देखा, उसने पूर्णतया एकाकीपन को महसूस किया और बदबूदार व सड़ने वाली दुर्गन्ध, घोर यन्त्रणा वाली कानफाडू चीखे, दहशत फैलाने वाली दुष्ट आत्माओं और अन्त में परमेश्वर के सामर्थी हाथों के द्वारा अपने आप को उस गड्ढे से निकलते हुए अनुभव किया।

''उनसे कहो, मैं बहुत, बहुत जल्द आने वाला हूँ!''

विइस की शैतान की मांद में यात्रा तेईस मिनट तक रही। परन्तु वह सुस्पष्ट विस्तृत विवरण के साथ लौटा जो उसकी याददाश्त में बैठ चुकी थी। इस जीवन बदलने वाली घटना के बाद उसने अब तक के इन सात सालो में उत्तर ढुंढने के लिए पवित्रशास्त्र को पढ़ा और 150 से ज्यादा बाइबल की आयतों को जो नरक के बारे में लिखी गई है उन्हे क्रमबद्ध सूचित किया।

हर कोई उत्सुक है यह जानने के लिए कि इस ज़िन्दगी के बाद क्या होगा, और अब विइस अपनी अन्तःदृष्टि से सामान्यतः पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में बांट रहे है जैसा किः –

- ❖ क्या नरक वास्तव में जलती हुई जगह है ?
- ❖ नरक कहॉ पर है ?
- ❖ क्या आपके पास नरक में शरीर होता है ?
- ❖ क्या नरक में सजा की श्रेणीयाँ होती है ?
- ❖ क्या नरक में बच्चे होते है ?
- ❖ क्या नरक में दुष्ट आत्माऐं लोगों को यंत्रणा देती है ?
- ❖ क्या 'अच्छे' लोग नरक में जाते है ?

अगर आप मेरी कहानी पर विश्वास नहीं करते है, तो भी मैं आशा करता हूँ कि आप पवित्रशास्त्र पर विश्वास करगें और नरक से दूर रहेगे।

✵ नरक में तेईस मिनट ✵

बिल विइस के द्वारा शहर की एक कन्वेंशन में के. एस. जो कि '' अमेरिका का केन्सस शहर'' कहलाता है।'' नरक का अनुभव नवम्बर 23, 1998 को हुआ था। सम्पूर्ण कहानी के लिए, कृपया उनकी किताब को खरीदे।

कुछ महीनों पहले, माईक बिकल, जिनके साथ मैंने ***International House of Prayer*** मे साथ काम किया, इन्होनें मुझे नरक के विषय में पढ़ाने के लिए कहा। इस विषय के बारे में पढाई के दौरान मेरे दोस्त स्टीव (कारपेन्टर) ने मुझे एक टेप दिया। उस टेप में वो सन्देश था जो आप बिल विइस ओर उनकी पत्नी अन्नेट से सुनने जा रहे है। उनके सन्देश ने मेरी दुनिया को हिला के रख दिया और इसने मेरे परिवार, मेरे दोस्तो और यहाँ तक की उन लोगो को जिनको मैं जानता नहीं उन सब के साथ मेरे सम्बोधन को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया। मैं बढ़ा चढ़ाकर बातें नही कर रहा हूँ। सो कृपया यह ना सोचे कि मैं अतिश्योक्ति बोल रहा हूँ। इस संदेश ने पृथ्वी पर बाकी बचे हुए सालों के मेरे दृष्टिकोण को हमेशा के लिए बदल दिया है। यह मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर आपके लिए भी आज वैसा ही करें। मैं इस सन्देश के महत्व को बढ़ा चढा के नहीं बोल सकता हूँ। बिल एक मसीही है। उसने अपना जीवन प्रभु *'यीशु मसीह'* को 16 वर्ष की उम्र में दे दिया था। वह 32 (बत्तीस) सालों से प्रभु को जानता है। वह 1976 में केलिर्फोनिया प्रदेश में रहने चला गया और 10 साल **पादरी चक स्मिथ** की सेवाकार्य के आधीन कोस्टा मेसा केलिर्फोनिया में बिताए। बिल एवं उसकी पत्नी भू–सम्पत्ति दलाल है। इन पन्द्रह सालों से बिल पादरी चक स्मिथ जो कि कोस्टा मेसा केलिर्फोनिया में है, उनके आधीन वह विभिन्न मौकों में भक्त मण्डली और अगुवाई में रहे है। एक पादरी जिनका नाम है पादरी रॉल जो Eagles Nest में थे, वह बिल के पास आए और उनसे कई महीनों पहले कहा, *''बिल, परमेश्वर धर्मजागरण का काम करने जा रहा है, वह अमेरिका के केन्सस शहर से शुरू करेगा। वह तुम्हे वहाँ पर भेजेगा और तुम्हे जाना चाहिए।''* बिल और अन्नेट अपनी जिन्दगी में कभी भी केन्सस शहर नहीं गए थे। उसके दुसरे दिन ही मैंने बिल को फोन किया और कहा, *'' क्या तुम केन्सस*

शहर आने के बारे में विचार करोगें? मैंने तुम्हारा Video (चलचित्र)ें देखा और मैं सोचता हूँ की तुम्हें यहाँ आना चाहिए।'' मैं विश्वास करता हूँ की वह यहाँ पर परमेश्वर के आदेश के कारण आए है।

आप नरक के दर्शन के बारे में सुनेगे, परन्तु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है, आप प्रभु यीशु मसीह के साथ आत्मीयता और इस विश्व के लिए उसके प्रेम के दर्शन को सुनेगें। बिल नरक में था। वह वहाँ पर साधारण अवलोकन करने वाला नहीं था जैसा की बहुत से लोगो ने दर्शन में देखा परन्तु उसने नरक की यातनाओं को बिना बच निकलने की आशा के लगभग आधे घंटे तक अनुभव किया। बिल और उनकी पत्नी प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर के काम और पवित्र आत्मा की अगुवाई के प्रति पूरी तरह से समर्पित है। आप उन्हे जरूर पसन्द करेगें। कृपया बिल और अन्नेट विइस का स्वागत किजिए।

(बिल विइस बोल रहे है)

यहाँ पर होना मेरे लिए आदर की बात है। यह पूरी यात्रा हमारे लिए बड़ी आशीष है। जिस प्रकार से हॉल ने कहा, ''हम रियल एस्टेट के व्यापार करते है। हम यह सब रोजी–रोटी के लिए नही करते है। हम पैसे के लिए नही करते है। हम सिर्फ इतना जानते है कि परमेश्वर के प्रेम को पूरी दुनिया में बताओं और उस जगह के बारे में भी बताओं जहाँ पर परमेश्वर नही चाहता की कोई भी जाएं सो इसलिए हम यहाँ पर है। सो समय के खातीर, मैं इस गवाही को छोटा करके बोलूगां और इसको बताना शुरू करना चाहूँगा।

परन्तु सबसे पहले मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछना चाहुँगा प्रश्न जो आपके दिमाग में कभी कभार आते होगें। पहला प्रशन जो पूछना चाहूँगा अगर मैं अपने आप को सुनु तो वह यह होगा, *'' कैसे मैं यह जानू की जो कुछ देखा वह सिर्फ एक सपना ही नहीं था? शायद एक बुरा सपना ?''* मैं कुछ बिन्दुओं को सूचित करूगां जैसे कि सबसे पहले, मैं अपने शरीर को छोड़ चुका था। मैं जब लौट के आया तो अपने शरीर को फर्श पे पड़े हुए पाया। सो मैं निश्चित रूप से जानता हूँ कि यह एक शरीर से निकलकर अनुभव था। कुछ मसीहो ने कहा, *''ओह, एक मसीही अपने शरीर को नहीं छोड़ सकता है।''* लेकिन यह सच्चाई नही है क्योकि 2 कोरिन्थियों 12:2 में जब पौलुस तीसरे स्वर्ग में उठा लिया जाता है, वह कहता है, ''सो अगर वह नहीं जानता तो यह सम्भव हो सकता है और उसने पहली आयत में यह भी कहा की यह एक दर्शन था, सो मैं विश्वास करता हूँ कि यह दर्शन के वर्गीकरण के अर्न्तगत आता है।

अय्यूब 7:14 में लिखा है, ''तब तू मुझे डरावने सपनों द्वारा डराता है बुरे–बुरे स्वप्नों से मुझे आंतकित करता हैं । इसलिए यह तो निश्चित है कि जो कुछ प्रभु ने किया और वापस आने के बाद, मुझे शान्त होने और सामान्य व्यक्ति होने में एक साल लगा। डर से इतना परेशान और मानसिक आघात पहुँचा था कि इसने मुझे गवाही कैसे दे और परमेश्वर ने हमे किससे बचाया उसकी कदर कैसे करे मेरे पूरे दृष्टिकोण को बदल दिया था।

मैं अपनी पत्नी को एक मिनट के लिए बुलाना चाहूँगा ताकि वह आपके साथ बाट सके कि क्या हुआ था जब उसने मुझे ड्राइग रूम में पाया था क्योकि मुझे उस बारे में याद नहीं। इसीलिए मैं चाहता हूँ कि वह कुछ शब्द कहे। धन्यवाद!

(बिल की पत्नी अन्नेट बोल रही है)

यह तकरीबन सुबह 3:23 जब मैं उठी तब की बात है, मुझे इसलिए याद है क्योकि मैंने हमारी डिजीटल घड़ी की तरफ देखा था और मैंने ध्यान दिया कि बिल मेरे साथ नहीं था और मैंने हमारे ड्राइगं रूम से आती हुई चीखों को सुना। मैंने अपने पति को ऐसी हालत में देखा जैसा मैंने उन्हे पहले कभी नहीं देखा था। अगर कोई बिल को जानता है तो वह जानता है कि वह स्वभाव से बहुत रूढ़ीवादी, बहुत सन्तुलित और पेशेवर व्यक्ति है। वह ऐसे नहीं है कि जल्दी से उत्साहित हो जउए या किसी के लिए बहुत भावुक हो जाए जब तक की परमेश्वर की ओर से कोई बात न हो। परन्तु शायद, मैंने उसे मानसिक सदमे में देखा, उसने सचमुच में अपने सिर को दोनो हाथो के बीच मे पकड़ रखा था और रो–रो कर चीख रहा था। मैंनें उसको इस अवस्था में ड्राइगं रूम के फर्श पर देखा। मुझे नही पता था कि मुझे क्या करना चाहिए। मैनें सोचा कि उसको दिल का दौरा पड़ा है। मैंने प्रार्थना करना शुरू किया और उसने मुझे पुकारा और कहा, ''प्रार्थना करो की परमेश्वर मेरे दिमाग से इसको निकाल दे! प्रभु मुझे नरक में ले गया था। मैं ऐसा महसूस कर रहा हूँ की मैं मर रहा हूँ और मैं इसे सम्भाल नहीं सकता हूँ।'' सो मैं उसके लिए प्रार्थना करने लगी वह शान्त होने लगा। वह सचमुच में मानसिक सदमें में था, जैसे कोई वियतनाम गया हो और दुबारा उसके मन में सब कुछ घटित हो रहा हो या कोई भयानक दुर्घटना हुई हो और वह दुबारा से उसे होते हुए देख रहा हो। यह बिल्कुल ऐसा था जैसे किसी ने बुरा सपना देखा हो और उससे जाग उठा हो। इसलिए मैं इस बारे में गवाही देना चाहती थी।

(बिल विइस बोल रहे है)

मुझे इतनी अच्छी स्त्री से आशिशित किया है। मैं इसके लिए परमेश्वर का बहुत आभारी हूँ। मैं चार साल से शादीशुदा हूँ और मैं अन्नेट को छः साल से जानता हूँ और यह मेरी जिन्दगी के बेहतरीन छः साल रहे है। मैं यह कहना चाहता हूँ, सो परमेश्वर की स्तुति हो।

मैं जब इस अनुभव से लौटा, तब मैं यह जानना चाहता था, कि क्या बाइबिल में किसी और ने भी इस प्रकार से नरक को अनुभव किया। सो मैंने खोजबीन शुरू की। मैने चक मिसलर को बहुत सुना वे बाइबिल के शिक्षक है, वास्तव मे विद्ववान है और उन्होने कहा था की *योनाह* ने नरक को अनुभव किया है। *योनाह 2:2* में लिखा है 'मैनें अधोलोक के उदर में तेरी दुहाई दी' व *2:6 में लिखा है ' जहॉ अर्गलाओं ने मुझे*

सदा के लिए बन्द कर लिया था। फिर भी हे प्रभु मेरे परमेश्वर तू मेरे जीवन को मृत्यु के गडहे से उपर ले आया'। सो बाइबिल में कोई तो था जिसने नरक को अनुभव किया, *योनाह*।

मैं यह भी जानना चाहता था, क्योकि मैं शुरू के दिनो में कलवरी चैपल में पला बढ़ा की कोई भी आध्यात्मिक अनुभव, जिनसे आप गुजरते हो वह परमेश्वर के वचन में पहले से ही होनी चाहिए। सो मैं जानता था कि जो कुछ भी मैने अनुभव किया, वह पहले से ही वचनों में होगा। सो मैंने छानबीन शुरू की और जो सब कुछ मैंने देखा, सुना, महसूस किया वह सबकुछ जो नरक से सम्बन्धित हो मैंने 400 वचनो में इनका चित्रण पाया। यह सबकुछ बाइबिल में पहले से ही है, सो जो कुछ भी मैं आपको बता रहा हूँ वह पहले से ही है। जैसे हम आगे बढ़ते है, मैं कुछ वचनों को सम्बोधित करूगाँ। मैं पूरे 400 वचनों को सम्बोधित नही कर सकता, परन्तु मैं कुछ को करूंगा। मैंने ऐसे 14 व्यक्तियों के बारे में भी जाना जिन्होनें नरक के कुछ भागों का अनुभव किया था। अधिकतर वह लोग थे जिन्होने मृत्यु के करीब पहुँचकर अनुभव किया, लोग जो अस्पतालो में मर रहे थे और जो वापिस आए।

सो मैं जल्दी से इस पर पहुॅच जाता हूँ; मेरी पत्नी और मैं रविवार की रात एक प्रार्थन सभा में थे जिसमें हम अपने पादरियों के साथ हमेशा उपस्थित होते है और हम घर वापस आए, जैसे कि हम हर सामान्य रात में करते है और सोने के लिए चले गये। लगभग सुबह के तीन बजे मैं उठा लिया गया था। जब तक की मैं वापस नहीं आया मुझे नही पता मै वहाँ पर कैसे पहुँचा। तब प्रभु ने मुझे समझाया। मैं जेल की कोठरी में पटक दिया गया था जैसे कि एक आमतौर पर जेल की कोठरी होती है, जैसे आप कल्पना कर सकते है, जिसके ऊबड़–खाबड़ बड़ी–बड़ी पत्थर की दिवारें हो और दरवाजे पर सलाखे हो। मुझे तब तक नहीं पता था कि मैं कहा पर हूँ। मैं सिर्फ इतना जानता था कि वहाँ पर बहुत ही भयानक गर्मी थी। इतनी गर्मी थी कि मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था की मैं जिन्दा हूँ। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि इस गर्मी से मुझे विघटित हो जाना चाहिए था। परन्तु मैं फिर भी जीवित था। वहाँ पर थोडी सी देर के लिए रोशनी थी, जो मैं विश्वास करता हूँ कि परमेश्वर की उपस्थिति मेरे लिए थी कि मैं उस जगह को थोडा बेहतर देख सकु, परन्तु एक ही मिनट में सबकुछ अन्धकार हो गया।

यशायाह 24 : 22 में लिखा है, ''वे बन्दियों के समान गड्ढे में इकट्ठे किए जाएगे और बन्दीगृह में बन्द किए जाएगें।''

नीतिवचन 7 : 27 '' वह मृत्यु के घर में पहुँचाना है।''

यहाँ पर घर से मतलब है 'कमरा'। सो नरक के कुछ भाग में जेल की कोठरीयाँ, कमरे, आग के गड्ढे और आग से बने हुई बहुत सी जगह है, इस प्रकार मैं उस समय जेल की कोठरी में था।

योनाह 2 : 6 में लिखा है, '' मैं सदा के लिये भूमि में बन्द हो गया था।''

और *अय्युब 17 : 16* में लिखा है, '' क्या वह अधलोक में उतर जाएगी ?''

सो फिर जो कुछ भी मैंने देखा वह वचन में था। पत्थरों के बारे में *यशायाह 14 : 19* में लिखा है। मैंने अपने आपको कोठरी में पाया और ये चार जीव मेरे साथ उस कोठरी में थे। मुझे उस वक्त नहीं पता था कि, ये दुष्ट आत्माऐं है क्योकि मैं वहाँ पर एक अविश्वासी के समान गया था। परमेश्वर ने मेरे दिमाग से निकाल दिया था कि मैं मसीही हूँ। मुझे समझ में नहीं आया क्यों परन्तु परमेश्वर ने मुझे बाद में वापस जाते वक्त समझाया था। ये जीव मैं नहीं जानता था कि ये दुष्ट आत्माऐं थी, ये जीव बहुत बड़े थे। वे लोग लगभग 12 या 13 फुट लम्बे थे, जैसे कि आप (Video) में देखेगें। एक व्यक्ति जिसने अपनी गवाही इस (Video) में दी है, उसने भी उसी दुष्ट आत्मा को देखा था जिसे मैंने देखा था। सो आप देख सकते है कि वो किस प्रकार से दिखता था। (Video) में एक बहुत ही अच्छी तस्वीर है जहाँ पर एक व्यक्ति को अधलोक के बेडो तक घसीटते हुए ले जाते हुए दिखाया गया है। वह केनिथ हेगन की गवाही है।

खैर, सब कुछ पपड़ीदार था। इस एक के शरीर पर सब तरफ पपड़ी थी, विशाल जबड़ो में बड़े दांत और नाखुन जो निकले हुए और धंसी हुई आखें थी। वे बहुत भीमकाय थे और एक दूसरा ऐसा बिल्कुल भी न दिखता था, परन्तु उसके पास उस्तरे के समान पैने पंख, एक लम्बा हाथ और बिना अनुपात के पैर थे। सब कुछ विकृत ओर ऐंठा हुआ और बिना अनुपात के, बिना सन्तुलन, कोई सन्तुलन नहीं था, एक हाथ लम्बा ओर एक छोटा और वह अजीब से और भयानक दिखने वाले जीव थे। वे परमेश्वर की निन्दा कर रहे थे। पूरे समय वे परमेश्वर को अभिशाप दे रहे थे। मैं आश्चर्य कर रहा था कि *ये परमेश्वर की निन्दा क्यो कर रहे है? ये परमेश्वर से इतनी नफरत क्यो कर रहे है?* और उन्होने अपना ध्यान मेरी ओर कर दिया और मैंने भी उसी नफरत को महसूस कि जिस प्रकार वह परमेश्वर से नफरत करते थे, नफरत उनके पास मेरे लिए भी थी और मैं फिर से सोचने लगा '' *ये मुझसे क्यो नफरत करते है? मैने इनका कुछ नहीं बिगाड़ा।''* परन्तु वे मुझसे ऐसी नफरत कर रहे थे जैसे मैने पहले कभी भी पृथ्वी पर अनुभव नहीं किया था। मनुष्य की भी सामर्थ से कही ज्यादा नफरत के साथ वे मुझसे पूर्णतया नफरत करते थे और मुझे पता था कि इन्हे मेरे लिए नियुक्त किया है कि वे मुझे यातनाएँ पहुँचाए।

कुछ बातें है जो मैं बताना चाहता हूँ, जो मै नहीं जानता की मुझे कैसे पता है नरक में आपकी ज्ञानेन्द्रियाँ बहुत ही तीक्ष्ण होती है, आपको कई बातों की जानकारियाँ आपके शरीर से कहीं ज्यादा होती है।

दूरियों का बोध या मैं समय से अवगत था और भी बहुत कुछ यहाँ से भी ज्यादा। मैं जानता था कि इन चीजों को मेरे लिए नियुक्त किया गया है कि वह मुझे सदा के लिए यंन्त्रणा पहुँचाए।

मैं कोठरी के फर्श पर पड़ा हुआ था और मेरे शरीर में कोई ताकत नहीं थी। मुझे आश्चर्य हो रहा था *कि मैं हिलडुल क्यो नहीं रहा हूँ? मेरे साथ क्या हो रहा है?* मेरे पास कुछ भी शक्ति नहीं थी और मैं निस्सहाय से वहाँ पर पड़ा हुआ था। एक दुष्ट आत्मा ने मुझे पकड़ा और उठाया व दीवार पर शीशे के समान फेंक दिया। उसने मुझे ऐसे ही शीशे के समान उठाया मैं इतना हल्का था या वह मेरे लिये वह इतना शक्तिशाली था और उसने मुझे दिवार पर फेंक दिया और मेरे शरीर की सारी हड्डीयाँ टूट गई और मुझे दर्द हुआ। मैं बस फर्श पर लेट कर दया के लिए पुकारने लगा परन्तु इन जीवों के पास कोई दया नहीं थी, बिल्कुल भी दया नही थी।

एक ने मुझे उठाया और दूसरे ने जिसके पास उस्तरे के समान पैने नाखून थे, उसने मेरे माँस के चिथड़े कर दिये। उसने बस चीर दिया और इस शरीर की जिसे परमेश्वर ने कितने अद्भुत तरीके से बनाया, कोई परवाह नहीं की। मैं अचरज करने लगा, '' *मैं जिन्दा क्यों हूँ, क्यो मैं इन सब के बीच में जिन्दा हूँ ? मुझे समझ में नहीं आ रहा था की मैं मर क्यो नहीं रहा हूँ।*'' मेरा माँस फिते के समान लटक गया था और वहाँ पर कोई खून नहीं था, बस माँस लटक रहा था क्योकि जीवन में खून होता है और नरक में कोई जीवन ही नहीं है। नरक में कोई पानी भी नहीं होता है।

यशायाह 14 : 09–10 में लिखा है–

पाताल के नीचें अधोलोक में तुझ से मिलने के लिये हलचल हो रहीं है, वह तेरे लिये मुर्दो को अर्थात् पृथ्वी के सब सरदारों को जगाता है, और वह जाति–जाति के सब राजाओं को उनके सिंहासन पर से उठा खड़ा करता है। वे सब तुझ से कहेगें, 'क्या तू भी हमारे समान निर्बल हो गया है? क्या तू हमारे समान बन गया है?'

भजन संहिता 88 : 4 में लिखा है ' मैं कबर में पड़ने वालों में गिना गया हूँ; मैं बलहीन पुरूष के समान हो गया हूँ ।

और हम जानते है कि शैतान के पास शक्ति है, पवित्र शास्त्र में एक दुष्ट आत्मा से ग्रसित व्यक्ति जो कि कब्रगाह में दौड़ता था, लिखा है;

मरकुस 05 : 1–4

वे झील के पार गिरासेनियों के देश में पहूँचे, जब वह नाव पर से उतरा, तो तुरन्त एक मनुष्य जिसमें अशुद्ध आत्मा थी, कब्रों से निकलकर उसे मिला। वह कब्र में रहा करता था और कोई उसे साँकलो से भी

नहीं बाँध सकता था, क्योकि वह बार–बार बेडियों और साँकलों से बाँधा गया था, पर उसने साँकलों को तोड़ दिया और बेडियों के टुकड़े–टुकड़े कर दिये और कोई उसे वश में नहीं कर सकता था।

वह उसे बाँध न सके; उसने बेडियो के टुकडे कर दिये थे और वह तो सिर्फ एक मनुष्य था जिसके अन्दर अशुद्ध आत्मा कि शक्ति थी। मैं समझ चुका था कि इन दुष्ट आत्माओं में एक मनुष्य से 1000 गुना ज्यादा शक्ति थीं सो अगर मेरे पास प्राकृति शक्ति भी होती तो भी मैं इनसे नहीं लड़ सकता था और इनके पास कोई दया नहीं थी। दुष्ट आत्माऐं नरक में आपकी जिन्दगी को चलाती है।

इन दुष्ट आत्माओं में और नरक में इतनी घोर बदबू थी कि मैं उसका वर्णन भी नहीं कर सकता हूँ। वहाँ पर माँस के जलने की बदबू थी। इन दुष्ट आत्माओं की बदबू ऐसे थी मानो एक खुले हुए मल–व्यवस्था, बदबूदार सड़ा हुआ माँस, सड़े हुए अण्डे और सब कुछ जो कि आप कल्पना कर सकते हो। इन सबको 1000 गुना बार बढ़ दिजिए और अपनी नाक पर रख दिजिए और आप बस साँस लिजिए। यह इना विषाक्त था कि यह आपको मार सकता है। और अगर आप इस शरीर में होते तो आप मर जाते। मैं अचरज कर रहा था की *मैं इन सब बदबू के बावजूद कैसे जीवित हूँ। यह सब कितना भयावह है?* परन्तु फिर से आप मरते नहीं है, आप को सहना पड़ता है।

निन्दा जो कि वह परमेश्वर की कर रहे थे उसके बारे में *यहेजकेल 22–26* में लिखा है ''जिस से मै उनके बीच में अपवित्र ठहरता हूँ''

उसके याजको ने मेरी व्यवस्था का अर्थ खीच–खाँचकर लगाया है; और मेरी पवित्र वस्तुओं को अपवित्र किया है, उन्होने पवित्र–अपवित्र का कुछ भेद नहीं माना और न औरो को शुद्ध–अशुद्ध का भेद सिखाया है, और वे मेरे विश्राम दिनों के विषय में निश्चिन्त रहते है जिस से मैं उनके बीच अपवित्र ठहरता हूँ।

अपवित्र करना, गन्दी भाषा बोलना और निन्दा करना।

जो यन्त्रणा मुझको पहुँचा रहे थे उसके बारे में *व्यवस्थाविवरण 32 : 22–24* में लिखा है

क्योकि मेरे कोप की आग भड़क उठी है, जो पाताल की तह तक जलती जाएगी, और पृथ्वी अपनी उपज समेत भस्म हो जाएगी और पहाडो की नीवों में भी आग लगा देगी। मैं उन पर विपत्ति पर विपत्ति भेजूगाँ और उन पर मैं सब तीरों को छोडूगाँ। वे भूख से दुबले हो जाएगें और अंगारो से और कठिन महारोगो से ग्रसित हो जाएगें और मैं उन पर पशुओं के दांत लगवाउगाँ और धूलि पर रेंगनेवाले सर्पो का विष छोड़ दूगाँ।

सो पशुओं के दांत आप पर होगें।

शमूएल 22 : 06 में लिखा है अधोलोक कि रस्सियाँ मेरे चारों ओर थी, मृत्यु के फन्दे मेरे सामने थे। और *मीका 03 : 02* के रोचक पवित्र शास्त्र में जहाँ पर फिलिस्तीनियों जो कि इस्राएलियों से नफरत करते है लिखा है–

तुम जो भलाई से बैर और बुराई से प्रीति रखते हो, मानो तुम लोगों पर से उनकी खाल उधेड लेते और उनकी हड्डियों पर से उनका मांस नोच लेते हो।

यह सब वह यहुदियो के साथ करते थे। यह सब प्राकृतिक वातावरण में था परन्तु इसका विचार उन्हें कहाँ से मिलता था? वह नरक से आता है। यहीं सब दुष्ट आत्माऐं करती है।

और दया, दया सिर्फ स्वर्ग में होती है। दया सिर्फ परमेश्वर से आती है और शैतान को किसी भी दया का कोई ज्ञान नही है। वह इसके बिल्कुल विरूद्ध है।

भजन सहिंता 36 : 05 में लिखा है

हे यहोवा, तेरी करूणा स्वर्ग में है, तेरी सच्चाई आकाश मण्डल तक पहुँची है। यह नरक में तो बिल्कुल भी नही है और *भजन सहिंता 74 : 20* मे लिखा है : अपनी वाचा की सुधि ले; क्योकि देश के अन्धेरे स्थान अत्याचार के घरों से भरपूर है।

वह एक क्रुर, अप्रिय और भयानक जगह है। जिसे आपको सब कुछ झेलना पड़ता है।

परमेश्वर ने सृष्टि में मनुष्य की सबसे उच्च प्रकार की रचना की है और यह दुष्ट आत्ताऐं सृष्टि में सबसे नीचे है। हम मनुष्य कठिन परिश्रम करते है ताकि जीवन मे आगे बढ सके। हम अपने आपको बेहतरीन बनाते है, हम पढ़ते है। परन्तु नरक में, आपका जीवन दुष्ट आत्माऐं चलाती है। इन जीवों के पास शून्य दिमाग (समझ) है, वह बिल्कुल अशिक्षित जीव है। उन्हें बस परमेश्वर से घृणा करना आता है। आपके लिए नफरत है और यन्त्रणा, और वह आपके जीवन को चलाते है और आप कुछ भी नहीं कर सकते है।

बहुत से वचनो में अपमान के बारे में लिखा है जिसे आपको झेलना पड़ेगा। *यह सब मेरी ज़िन्दगी को चलाएगी और मैं इसे रोक नहीं सकता हूँ।*

यशायाह 5 : 14–15 में लिखा है–

इसिलिए अधोलोक ने अत्यन्त लालसा करके अपना मुँह बेपरिमाण पसारा है, और उनका वैभव भीड़भाड़ और आनन्द करने वाले सब के सब उनके मुँह में जा पड़ते है। साधारण मनुष्य दबाए जाते हैं, और बड़े मनुष्य नीचे किये जाते है व अभिमानियों की आँखे नीची की जाती है।

यशायाह 57 : 9–16 में लिखा है–

तू तेल लिये हुए राजा के पास गई और बहुत सुगन्धित तेल अपने काम में लाई; अपने दूत तू ने दर तक भेजे और उधोलोक तक अपने को नीचा किया। तू अपनी यात्रा की लम्बाई के कारण थक गई, तोभी तू ने न

कहा कि यह व्यर्थ है, तेरा बल कुछ अधिक हो गया, इसी कारण तू नहीं थकी। तू ने किसके डर से झूठ कहा, और किसका भय मानकर ऐसा किया कि मुझ को स्मरण नहीं रखा न मुझ पर ध्यान दिया? क्या मैं बहुत काल से चुप नहीं रहा? इस कारण तू मेरा भय नहीं मानती। मैं आप तेरे धर्म और कर्मो का वर्णन करूँगा, परन्तु उन से तुझे कुछ लाभ न होगा। जब तू दोहाई दे तक जिन मूर्तियों को तू ने जमा किया है वे ही तुझे छुडाऐं। वे तो सब की सब वायु से वरन् एक ही फूंक से उड़ जाऐगी। परन्तु जो मेरी शरण लेगा वह देश का अधिकारी होगा और मेरे पवित्र पर्वत का भी अधिकारी होगा। यह कहा जाएगा ''पाँति बाँध बाँधकर राजमार्ग बनाओं, मेरी प्रजा के मार्ग में से हर एक ठोकर दूर करो।'' क्योकि जो महान् और उत्तम सदैव स्थिर रहता, और जिसका नाम पवित्र है, वह यो कहता है, ''मैं ऊँचे पर और पवित्र स्थान में निवास करता हूँ और उसके संग भी रहता हूँ, जो खेदित और नम्र है। लोगो के हृदय और खेदित लोगो के मन को हर्षित करूँ। मैं सदा मुकदमा न लड़ता रहूँगा न सर्वदा क्रोधित रहूँगा क्योकि आत्मा मेरे बनाए हुए है और जीव मेरे सामने मूर्छित हो जाते है।

यहेजकेल 32 : 24 में लिखा है–

वहाँ एलाम है और उसकी कब्र के चारो ओर उस की सारी भीड़ है। वे सब के सब तलवार से मारे गए है, वे खतनाहीन अधोलोक में उतर गए है; वे जीवनलोक मे भय उपजाते थे। परन्तु अब कब्र में और गड़े हुओं के संग उनके मुँह पर भी स्याही छाई हुई है। इस प्रकार से आगे चलता रहता है। यह बहुत ही भयानक बात थी कि आपकी ज़िन्दगी इन जीवों के द्वारा चलाई जाए और इनके पास आपके लिये कोई दया नहीं है।

(नरक में अधंकार और चीखें)

मै कोठरी मे पड़ा हुआ था और वह अन्धकार में बदल गया, बिल्कुल अन्धेरा हो गया। मेरा अन्धकार से मतलब है ऐसा अन्धकार जो मैंने पहले कभी महसूस नही किया था। मैं एरीजोना के लोहे के खदानों, अन्धेरी गुफाओं में भी गया था। लेकिन मैंने वैसा अन्धेरा कभी नहीं देखा था। मैं किसी तरह उस कोठरी से बाहर निकला व उससे बाहर आ गया और उन दुष्ट आत्माओं ने मुझे बाहर निकल जाने दिया मुझे याद था कि दरवाजा किस तरफ था और मैंने अपने रास्ते को महसूस किया और उस कोठरी से बाहर निकल आया। मैने एक तरफ देखा, सब तरफ अन्धकार था और मैने जो कुछ भी सुना सिर्फ चीखें, अरबों लोगो की चीखें उस जगह पर थी। मैं जानता था कि वहाँ पर अरबो लोग थे और वहाँ पर बहुत तेज शोर था अगर आपने कभी किसी को चीखते हुऐ सुना है तो आप जानते है कि कितना परेशान कर देता है और अगर आप अरबो लोगों कि चीखो को सुनते है तो आप कल्पना नहीं कर सकते है कि यह आपके दिमाग पर कैसा असर डालेगा। आप उसका सामना नहीं कर सकते है। आप अपने कानों को पकड़ लेते हो क्योकि वइ इतना तेज शोर है

और बेधने वाला शोर है। आप उन चीखों से पीछा नहीं छुड़ा सकते हों। जो डर आप पर आता है वह तो अविश्वसनीय है सब पर डर का प्रभुत्व है। इस जगह पर परमेश्वर की कोई उपस्थिति नहीं है। सो इसिलिए आपको डर उन यातनाओं और उस अन्धकार को सहना पड़ता है। आप कुछ भी नही देख सकते है। आप इतना भी नहीं देख सकते है कि आप के विरूद्ध कौन आ रहा है। पवित्रशास्त्र इस अन्धकार के बारे में *भजन सहिंता 88 : 6* मे बताता है :

तू ने मुझे कब्र के गर्त में अन्धकारमय गहरे स्थान में डाल दिया है।

प्रकाशितवाक्य 16 : 10 मे लिखा है –

तब पांचवे दूत ने अपना कटोरा पशु की गद्दी पर उडेल दिया। इससे उसका राज्य अन्धाकारमय हो गया और लोग पीड़ा के कारण हाय! हाय! करने लगे।

यहूदा 1 : 13 मे लिखा है –

ये मानो सागर की उद्दम तरगें है जो अपनी र्निलज्जता का फेन स्वतः ऊपर उछालते है। ये मानो भटकते तारागण है जिनके लिए अधोलोक का अन्धकार अनन्त काल तक सुनिश्चित है।

वहाँ पर ऐसा अन्धकार है जिसे महसुस किया जा सकता है जैसा की *निर्गमन 10 : 21* में वर्णन है– '' प्रभु ने मूसा से कहा, अपना हाथ अकाश की ओर उठा जिससे मिश्र देश पर अन्धकार छा जाए, ऐसा अन्धकार जिसका बोध हो सके।''

आप इस अन्घकार को महसूस कर सकते है।

(नरक में डर)

जो डर मैं आपको बता रहा हूँ वह बहुत ही शक्तिशाली था वह आपको जकड़ लेता है। अगर आपने कभी कोई डरावनी फिल्म देखी हो, जिसमें डर आपके गले तक भर जाता है, उसी डर को ले और उसे हजार बार गुणा कर ले और थामें रहे, ऐसे ही आपको उस स्थिति में रहना पड़ता है। और मुझे डर के बारे में कुछ मालूम है। जब मैं छोटा था तो मैं समुद्र की लहरो में तैरता था। जब मैं बहुत छोटा था तब हम कोको फ्लोरिडा में समुद्र तट पर गए थे और वहाँ पर एक शार्क मछलीयों का झुण्ड मेरी तरफ आया था। और एक 9 फुट टाइगर शार्क आयी और मैरे बोर्ड को दाहिनी तरफ से काट दिया और फिर मेरे पैर को मुँह मे लेकर मुझे नीचे की ओर खीचने लगा। सो मेरा पैर इस बड़ी सी शार्क मछली के मुँह में था। मैं उस वक्त ईसाई नहीं था, और यह तब हुआ था जब मैं विश्वासी नहीं था और अचानक से उसने मुझे छोड़ दिया। अब मैं जानता हूँ कि परमेश्वर ने उस शार्क मछली का मुँह खोल दिया था। परन्तु कुछ क्षणो लिए जो डर आपके ऊपर आता है वह अभिभूत कर देता है। अगर आपने कभी JAWS फिल्म देखी हो तो वह फिल्मी डर उस

हकीकत के डर के मुकाबले कुछ भी नहीं होता है, जिसमें मैं गुजरा था। वह डर डरावना था। एक आदमी जो मुझसे कुछ ही दूरी पर था, एक शार्क ने उसका पैर ही खा लिया था। लोगों ने उसको तट तक घसीट कर लेके आये और उसका खून सब तरफ था। वह चीख रहा था और उसका पैर नहीं था। सो मै डर को समझता हूँ, परन्तु यह डर तो कुछ भी नहीं था उस डर के सामने जो मैने नरक में महसूस किया, कोई मुकाबला नहीं है। मैं समझता हूँ की शार्क द्वारा हमला सबसे बड़ा डर है जो हम पृथ्वी पर अनुभव कर सकते है।

सो यह कुछ बाते है जो नरक में हमें सहन करनी पड़ती है। जैसा की *यशायाह 24 : 17* मे लिखा है–

ओ पृथ्वी के निवासियों तुम्हारें लिए आंतक, गड्डा और फन्दा निर्धारित है। जो व्यक्ति आंतक का स्वर सुनकर भागेगा वह गड्डे में गिरेगा और जो व्यक्ति गड्ढे से बचकर बाहर निकल आएगा वह फन्दे में फंसेगा क्योकि आकाश के झरोखे खुल गये है और पृथ्वी की नींव कांप रहीं है।

टेड कोपेल, कार्यक्रम '' नाइट लाइन'' में डेढ साल पहले एक प्रस्तुतिकरण के दौरान कुछ जेलों को जाकर के देखा था और कुछ राते वहाँ गुजारी। वह विश्वास नहीं कर सका कि वहाँ पर कितना शोर था कि वह सो नहीं सका। टी.वी पर बताया कि उसको धक्का लगा कि वहाँ पर लोग किस प्रकार से चिल्ला रहे थे और सारी रात रिरिया रहे थे। सो जब यह हमारी पृथ्वी की जेलों में हो सकता है की लोग चिल्ला रहे थे तो नरक मे कितना ज्यादा होगा। *अय्यूब 18 : 14* मे लिखा है –

जिस तम्बू पर उसको भरोसा है, वहाँ से वह निर्वासित कर दिया जाता है और उसको आंतक के महाराज के सम्मुख पेश किया जाता है।

शैतान सचमुच में आंतक का राजा है।

(नरक में उजाड़ता)

मैं अब कोठरी के बाहर था और मैंने एक तरफ देखा और जैसे मैं उस तरफ देख रहा था मैंने आग की लपटों को देखा, मुझसे लगभग 10 मील की दूरी पर थी। मैं जानता था कि दस मील है। और एक आग का गड्ढा जो की लगभग तीन मील दूर था। उसकी लपटों ने कुछ देर के लिए थोडी सी रोशनी दी कि मैं नरक की भूमि का परिदृश्य कर सकुँ।

अन्धकार इतना भारी था कि वह किसी भी रोशनी को निगल सकता था। लेकिन थोडी से रोशनी से कुछ देर के लिए इतना काफी था कि कुछ भूमि को देख सकता था। सब कुछ भूरे रंग का था और उजाड़ था। मेरा मतलब है कि एक भी हरी पत्ती नहीं थी किसी भी प्रकार को कोई जीवन नहीं था बस पत्थर, धूल,

मिट्टी और काला आसमान था और आसमान में कोहरा था। लपटें बहुत ऊँची थी सो मैं देख सकता था। पविशास्त्र में *व्यवस्थाविवरण 29 : 23* मे लिखा है–

इस देश की भूमि गन्धक और नमक से भर गई है। यह झुलस गई है। इसमें कुछ भी बोया नहीं जा सकता। इस भूमि में कुछ भी उत्पन्न नहीं होगा। इसमें घास भी नहीं उग सकती है। यह सदोम, अमोरा, अदमा और सबोईम के समान उलट–पुलट गई है। जिन्हे प्रभु ने अपनी क्रोधाग्नि में उलट–पुलट दिया था।

नरक में किसी भी प्रकार का कोई जीवन नहीं है। ऐसे संसार में होना बहुत अजीब है जहाँ पर कोई जीवन नहीं है। हम यहाँ पृथ्वी पर पेड़ और स्वच्छ हवा का आनन्द लेते है, परन्तु वहाँ पर मरा हुआ है।

(ताप)

वहाँ पर गर्मी इतनी भीषण थी कि आप उसका वर्णन भी नहीं कर सकते है।

व्यवस्थाविवरण 32 : 24 मे लिखा है–

अकाल उन्हें तबाह कर देगा घोर ताप से वे भस्म हो जाएगें। असाध्य महामारियाँ उन्हें घेर लेगी मैं उनके विरूद्ध हिंसक पशु भूमि पर रेंगनेवाले विषैले जन्तु भेजुगां।

यहुदा 01: 7 मे लिखा है–

इसी प्रकार सदोम ओर अमोरा और आसपास के नगरों को जो उन्हीं के समान व्यभिचार और अप्राकृतिक कर्म करते थे, अनन्त अग्नि का दण्ड भोगना पड़ा और यों दूसरो के लिए उदाहरण बने।

भजन सहिंता 11 : 6 मे लिखा है–

वो दुष्टों पर गंधक की वर्षा करेगा। झुलसाने वाली प्रचण्ड लू उन्हें झेलनी पड़ेगी।

यही सब कुछ नरक में हो रहा है, वह इतना गरम हैं। इन सब चीजों से आपको मरना चाहिये परन्तु आप मरते नहीं है। आपकों निरन्तर इन चीजों को झेलना पड़ता है। मुझे मन की शान्ति चाहिये थी, कि इन चीखों से दूर चला जाऊँ। यह इस प्रकार से है जैसे कि एक कठिन दिन के बाद आप वापस घर लौटते है और आप बस मन की शान्ति चाहते है परन्तु नरक में आपको चीखों और बस यातनाओं को सहना पड़ता है। और आप कभी भी इनसे दूर नहीं जा सकते है, कभी नहीं! *यशायाह 57 : 21* में लिखा है

''मेरा परमेश्वर कहता है: दुष्टों को कही शान्ति नहीं मिलती।''

आप नरक में नगें भी होते हैं यह एक और बात है जिसे आपको सहना पड़ता है। शर्म! *यहेजकेल 32 : 24* इस गड्ढे में शर्म का वर्णन किया है–

देखो, यहां एलाम भी पड़ा है। उसकी कबर के चारो ओर प्रजा है। यह सब तलवार से मारे गये है। इनका वध तलवार से हुआ है। ये जीवलोक में आंतक फैलाते थें, और अब खतना रहीत दशा में अधोलोक में पड़े है। ये कब्रं में जाने वालों के साथ अपमान का भार ढो रहे है। और *अय्यूब 26 : 06* मे लिखा है – परमेश्वर के सम्मुख अधोलोक नंगा पड़ा है, अबद्दोन अनावृत है।

(सूखा)

नरक में कोई पानी नहीं है, कोई पानी नहीं है। वहाँ के वातावरण में कोई उमस नहीं है और न किसी प्रकार का कोई पानी है। वह इतना सूखा है, कि आप सिर्फ एक बूंद पानी के लिए तरसते है, सिर्फ एक। पवित्रशास्त्र में *लूका 16 : 23–24* में लिखा है

वह अधोलोक में नरक की पीड़ा सह रहा था। वहाँ से उसने अपनी आंखें ऊपर उठायी और दूर से अब्राहम को देखा और कहा, मुझ पर दया कीजिए, लाजर को भेजिए कि वह अपनी अगुंली का सिरा जल में डुबा कर मेरी जीभ को ठंडा करे, क्योकि मैं नरक की ज्वाला में जल रहा हूँ।

अब्राहम ने उससे कहा ''पुत्र स्मरण करो'' और फिर वह धनी व्यक्ति अपने भाइयों के बारे में बोलने लगा। वह बस इतना चाहता था कि लाजर सिर्फ अपनी अंगुली का सिरा पानी में डुबो दे सिर्फ एक बूंद। वह बहुत ही कीमती हो सकती थी, एक बूंद, परन्तु आपको वह कभी नहीं मिल सकता, कभी भी नहीं। आपके सूखे हुए मुँह के बारे में कल्पना करना कठिन हो सकता है। अगर आप कल्पना कर सकते हो तो यह ऐसे होगा जैसे कि आपने मृत्यु की घाटी में मैराथन दौड़ दौड़ी हो और आपके मुँह में रूई हो और आप दिनों तक ऐसे ही रहते हो, और यह इसी प्रकार से चलता रहता है, बस सूखा, पूर्णतया सूखा सिर्फ एक बूंद पानी के लिए आप तरसते हो।

एक और बात जो इस पवित्रशास्त्र से मुझे पता चली कि हम जानते है कि वहां पर एक बहुत बड़ी खाई है, स्वर्ग और नरक के बीच में और उस धनवान ने अपनी आँखें ऊपर उठाई और अब्राहम को दूर से देखा। प्राकृतिक वातावरण में वह लाजर और अब्राहम को कैसे पहचान सकता है? सबसे पहली बात वह अब्राहम से कभी मिला ही नहीं और फिर इतनी दूर से किसी को देखना, आप नहीं जान सकते कि वह कौन है। परन्तु कुछ बातें है जो आप नरक में जानते हैं। आप समझ सकते है, जैसा कि मैंने कहा, गहराइया, कितनी दूर है और बहुत कुछ।

फिर एक दुष्ट आत्मा ने मुझे पकड़ा और घसीटते हुए कोठरी में ले गया और फिर से वह सारी यातनाऐं देना शुरू कर दिया जिनके बारे में बताने से मैं नफरत करता हूँ क्योकि मैं नहीं चाहता की मैं फिर से इन यातनाओं को याद करूं। उन्होने मेरी खोपड़ी को पीसना शुरू कर दिया। एक दुष्ट आत्मा ने मुझे

पकड़ा और मेरे सिर को कुचलने की कोशिश की। मैं दया के लिये चिल्ला रहा था व भीख मांग रहा था परन्तु कोई दया नहीं थी। उस समय उन्होंने हर एक ने मेरे हाथ और पैरों को चीरने वाले ही थे। मैने सोचा, '' *मैं यह नहीं सहन कर सकता हूँ।''*

(गड्ढे के बाजू में)

और अचानक से, जैसे किसी ने मुझे पकड़ा हो और कोठरी से बाहर निकाल दिया। मैं जानता हूँ कि वह प्रभु था, परन्तु तब मैं नहीं जानता था। मैं वहा पर एक अविश्वासी की तरह गया था, सो मैं इन चीजो को नहीं जानता था। मैं वहां पर ऐसे गया था मानों मैंने प्रभु को कभी स्वीकार ही नहीं किया हो मुझे उस आग के नजदीक ठहरा दिया था जो मैने पहले देखी थी। मैं उस गड्ढे के बगल में खड़ा था। मैं गुफा के नीचे था, एक बहुत बड़ी गुफा और एक सुरंग ऊपर की और जा रही थी।

उस आग के साथ मैं उन लपटों के बीच में से देख सकता था। सिर्फ उनके शरीरों को देख सकता था, लोग आग में चिल्ला रहे थे, दया के लिए चिल्ला रहे थे। वहाँ वह जल रहे थे। मै जानता था कि मैं वहाँ पर जाना नही चाहता हूँ। जो दर्द मैं पहले ही सह चुका था वो ही काफी था, परन्तु मैं जानता था कि उस आग की गरमी बदतर थी। यह लोग बाहर निकलने के लिए चिल्ला रहे थे।

वहाँ पर बहुत बड़े प्राणी उस गड्ढे के चारों तरफ थे और जैसे ही लोग रेंग कर उससे बाहर निकलने की कोशिश करते, वैसे ही वे उन्हे वापस उस आग में दखेल देते थे और उन्हे बाहर नहीं निकलने देते थे। मैने सोचा, *''ओह, यह जगह कितनी भयानक और विभत्स हैं।''*

यह सब कुछ एक ही समय पर हो रहा था। आप भूखे होते है, आप प्यासे होते है और आप थक चुके होते है। आप नरक में सो भी नहीं सकते है। आपको वैसे ही नींद की जरूरत होती है। *प्रकाशितवाक्य 14 : 11* मे लिखा है –

जो लोग पशु और उसकी मूर्ति की पूजा करते व उसके नाम की छाप ग्रहण करते है, उनकी यातना का धुआं युगयुगान्तर तक उड़ता रहेगा और उन्हे दिन–रात कभी चैन नहीं मिलेगा।

आप कभी भी सो नहीं सकते। आप कल्पना कर सकते है कि यह कैसा होगा, कोई चैन नहीं।

पानी के विषय में, *जकर्याह 9 : 11* मे लिखा है – नरक में कोई पानी नहीं है।

मैं जानता था नरक पृथ्वी के अन्दर बीचो बीच है। वह पृथ्वी के अन्दर बीच में स्थित है। मैं जानता था कि मैं लगभग 3700 मील पृथ्वी की गहराई में हूँ। हम जानते है कि पृथ्वी का व्यास 8000 मील है। इसका आधार 4000 होता है। मैं 3700 मील नीचे था। *इफीसियों 4 : 9* मे लिखा है – यीशु मशीह पृथ्वी के निचले भागों में उतर गया।

गिनती 16 : 32 मे लिखा है –

धरती ने अपना मुंह खोला, और वह उन्हे उनके परिवार को, उन सब लोगो को जो कोरह के थे और उनकी माल – सामग्री को निगल गई।

नरक इसी जगह पर है। बाद में नरक और मृत्यु आग की झील में डाल दिये जाएगें और फिर बाहरी अन्धकार में फेंक दिये जाएगे। यह न्याय के दिन के पश्चात होगा परन्तु अभी यह पृथ्वी के अन्दर है।

(दुष्ट आत्माऐं)

मैं इस आग के गड्ढे के बगल में खड़ा था और मैने इन दुष्ट आत्माओं को दिवारो के बराबर खड़े हुए देखा, सभी प्रकार के परिमाप और आकार के, सभी प्रकार के विकृत, बदसूरत प्राणी, आप कल्पना कर सकते है। वह ऐठे हुए, बदसूरत प्राणी, छोटे बड़े सभी प्रकार के थे। वहां पर बड़े विशालकाय मकड़े थे जो लगभग 5 फुट लम्बे थे। चूहें, साँप और किड़े क्योकि बाइबिल इन कीड़ो के बारे में बताती है कि वह ओढ लेगें–यशायाह 14: 11। वहां पर सब प्रकार के घृणित प्राणी है। और वह ऐसे प्रतीत होते थे मानो उन्हें जंजीरो में दिवारों के साथ बांध दिया गया हो। मैं आश्चर्य करने लगा, ''इन्हें जंजीरो में दिवारों के साथ–साथ क्यो बांधा गया है? ''मैं नहीं समझ पाया कि उनके बारे में पवित्रशास्त्र में *यहूदा 1 : 6* मे लिखा है –

''कुछ स्वर्गदुतो ने मर्यादा का उल्लंघन कर अपना निवास स्थान छोड़ दिया, जिनको उसने भीषण न्याय दिवस के लिए अनन्तकाल तक अधोलोक के अन्धकार में बन्दी कर दिया। ''

सो हो सकता है कि मैने यही देखा हो, मैं नहीं जानता परन्तु वह ऐसे ही दिखाई पड़ते थे। मैं खुश था क्योकि मैं नहीं चाहता था कि वह मुझ तक पहुँचे। वे मुझे एक सनक के साथ नफरत कर रहे थे। यह एक और बात थी जो मुझे समझ में नहीं आ रहीं थी, वे सिर्फ प्राणी ही नहीं थे, उनमें मनुष्य जाति के प्रति नफरत थी। सो मैं खुश था कि उन्हें जंजीरों के साथ दिवारों से बांध दिया गया था।

मैं सुरगं में उस गड्ढे से ऊपर की ओर उठने लगा और उन लपटों से दूर जाने लगा। जल्द ही अंधियारा छा गया, परन्तु मैं इन सब दुष्ट आत्माओं को दिवारों के साथ देख सकता था और उनके पास बड़ी ताकत थी। मैंने सोचा, *''कौन इन प्राणीयों से लड़ सकता है। कोई भी नहीं लड़ सकता है। ''* परन्तु फिर भी वह डर इतना अभिभूत कर देने वाला था, कि मैं इस डर को सह नहीं सकता था।

(कोई आशा नहीं)

नरक में सबसे ज्यादा व सभी यातनाओं से भी बुरा वह यह था कि मैं समझ सकता था, की सबसे पहले पृथ्वी पर जीवन चल रहा था और यहाँ पर लोग, ज्यादातर लोगों को कोई अनुमान ही नहीं था कि यहां पर

नीचे एक पूरा संसार विद्यमान है और अरबों खरबो लोग यहां पर पीड़ा को भोग रहे है और सिर्फ एक मौके के लिए भीख मांग रहे है, परन्तु उन्हे एक मौका भी कभी नहीं मिलेगा कि वे बाहर निकल सके और वह अपने ऊपर गुस्सा करते हैं कि उन्होनें प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करने का मौका गंवा दिया और वह इस जगह पर हमेशा के लिए बंध गए है।

यह नरक की सबसे बुरी बात है कि यहां पर कोई आशा नहीं है। मैं यह समझता था। मैं अनन्त काल को समझ सकता था। यहाँ पृथ्वी पर हम इसे अच्छी तरह नही समझ पाते है। परन्तु वहां पर मैं इसे अच्छी तरह समझ सकता था। मैं जानता था कि मैं यहां सर्वदा के लिए रहूंगा और मुझे इससे बाहर निकलने की कोई आशा नहीं थी। मैंने अपनी पत्नी के बारे में सोचा। मैं अपनी पत्नी तक कभी भी नहीं पहुंच सकता था। मैं हमेशा उससे कहता था *कि अगर हम कभी अलग हुए किसी भूकम्प के द्वारा या कुछ और भयानक बात के द्वारा तो मैं तुम को ढुंढ लूंगा, तुम तक पहुंच जाऊंगा अगर हम कभी भी अलग हुए तो''*/ परन्तु मैं यहाँ उस तक नहीं पहुँच सकता था। मैं उसे कभी भी नहीं देख सकता था। उसे कोई अनुमान ही नहीं था कि मैं कहाँ पर हूँ और मैं उससे कभी भी नहीं बात कर सकता था। उस विचार ने मुझे बहुत बुरी तरह से झिझोंड दिया था। कभी उससे बात नहीं कर सकता था, कभी उस तक नहीं पहुँच सकता था और वह नहीं जानती थी कि मैं कहा पर हूं और मैं इससे कभी भी बाहर नहीं निकल सकता था। आप समझ रहे है आप उससे कभी बाहर नहीं निकल सकते है, कभी नहीं! देखिए हमारे पास पृथ्वी पर एक आशा है। यहाँ तक कि नजरबन्दी शिविर में लोगो के पास बाहर निकलने कि आशा होती है और या फिर कम से कम मरने कि ताकि उस से बाहर निकल सकें। परन्तु हमने कभी भी ऐसी आशा रहित स्थिति का अनुभव कभी नहीं किया है। *यशायाह 38 : 18* में लिखा है

'' अधलोक को जानेवाले व्यक्ति तेरी सच्चाई की आशा नहीं कर सकते।

कोई आशा नहीं और प्रभु यीशु मसीह सच्चाई है। वो ही सच्चाई है।

(यीशु मसीह प्रकट होते है)

इस समय मैं सुरगं में ऊपर की ओर जा रहा था और मैं बहुत बुरी तरह से भयभीत था, बिना आशा के खोया हुआ और इन दुष्टआत्माओं से भयभीत था। बिल्कुल अचानक से यीशु मसीह प्रकट हुए। *'' प्रभु की स्तुति हो''*, यीशु मसीह प्रकट हुए। इस चमकते हुए प्रकाश ने उस जगह पर उजियाला कर दिया। मैंने सिर्फ उसकी रूपरेखा को देखा और मैं बस अपने घुटनों पर गिर पड़ा और ढह गया। मैं सिवाय उसकी आराधना के और कुछ नहीं कर सका। मैं इतना आभारी था। एक सेकण्ड पहले मैं हमेंशा के लिए खो चुका था और अब मैं अचानक उस जगह से बाहर था क्योकि मैं 'प्रभु यीशु मसीह' को पहले से ही जानता था।

वो लोग बाहर नहीं निकल सकते थे लेकिन मैं निकल आया क्योकि मैं पहले ही बचा लिया गया था। मैं जानता था और समझता था कि सिवाय प्रभु यीशु मसीह के इस जगह से निकलने का और कोई रास्ता नहीं था। वे ही एक रास्ता है जो हमें इस जगह पर जाने से रोकता है।

प्रकाशितवाक्य 1 : 6 में लिखा है कि यहुन्ना जब वे स्वर्ग में गया तो उसने यीशु मसीह को देखा और उनका मुख मण्डल दोपहर के सूर्य के समान चमक रहा था और जब उसने उन्हे देखा तो वह मृतक की भांति उनके चरणों में गिर पड़ा। ऐसा ही मेरे साथ हुआ। मैं मृतक की भांति उनके चरणो में गिर पड़ा। अब आप सोच रहे होंगें कि मेरे पास उनसे पूछने के लिये अरबों सवाल होगें, परन्तु जब आप वहां होते है तो सिवाय उनकी आराधाना और उनके पवित्र नाम की स्तुति करने के अलावा और कुछ नहीं करते है और उनको धन्यवाद देते है कि उसने हमें किस जगह से बचा लिया है।

जब मैं शान्त हुआ कम से कम इस लायक हुआ कि कुछ सोचू तो मैंने प्रभु से बात करने की सोची, मैं नहीं समझता की मैंने उन्हें बोला होगा परन्तु मैंने सिर्फ सोचा था और उन्होने उत्तर दिया। मैंने बोला '' *प्रभु तुने मुझे उस जगह पर क्यों भेजा?*'' उसने कहा '' क्योकि लोग इस जगह के अस्तित्व पर विश्वास नहीं करते है। '' उसने कहा ''यहाँ तक कि मेरे कुछ लोग भी इस जगह की वास्तविकता पर विश्वास नहीं करते है।'' मैं यह सुनके स्तब्ध हो गया। मैने सोचा हर मसीह को नरक के अस्तित्व पर विश्वास करना चाहिए। लेकिन हर कोई एक वास्तविक जलते हुए नरक पर विश्वास नहीं करता है। मैने पूछा प्रभु '' *तुने मुझे क्यों चुना?*'' परन्तु उसने मेरे सवाल का उत्तर नहीं दिया।

मुझे कोई अनुमान नहीं था कि उसने मुझे क्यो चुना कि मैं उस जगह जाऊँ। मैं तो इस जगह पर जाने वाले कम से कम लोगो में से हूं। मैं और मेरी पत्नी बुरी फिल्मों से नफरत करते है। मुझे तो गर्मी का मौसम बिल्कुल भी नहीं पसन्द है। यह घिनौना है। कोई व्यवस्था नहीं हैं। सब कुछ अस्तव्यस्त, अव्यवस्थित और घृणित होता है। और मैं व्यवस्थित और बेहतरीन से प्रेम रखता हूं। उसने मुझे उसका उत्तर नहीं दिया। उसने मुझसे कहा, ''जाओ और उनहें बताओं कि मैं इस जगह से नफरत करता हूं की यह मेरी इच्छा में नहीं है कि मेरी बनाई हुई सृष्टि में कोई भी इस जगह पर जाए एक भी नहीं! मैनें यह जगह मनुष्य के लिए नहीं बनाई। यह शैतान और उसके दूतो के लिए बनाई गई है। तुम्हें जाना होगा और बताना होगा! मैंने तुम्हें मुँह दिया है, तुम जाओ और उन्हें बताओं।''

मैंने सोचा, ''*परन्तु प्रभु वह मुझ पर यकीन नहीं करेगें। वह सोचेगें मैं पागल हूं या मुझे बुरा सपना आया था।*'' मेरा मतलब है क्या आप ऐसा नहीं सोचेगे? जैसे मैं यह सोच रहा था कि प्रभु ने मुझे उत्तर दिया और उसने कहा, ''यह तुम्हारा काम नहीं है कि तुम उन्हें मनवाओं। यह पवित्र आत्मा का काम है। तुम बस जाओं और उनहें बताओं! और यह मेरे भीतर था, *''हाँ, सर् बिल्कुल मुझे जाना है और उन्हें बताना है।''*

तुमको चिन्ता और डरने की जरूरत नहीं है कि मनुष्य तुम्हारे बारे में क्या सोचेगें, तुम्हें बस जाना है और करना है और परमेंश्वर बाकी सब करेगा। आमीन । और मैंने कहां, *'' प्रभु, वह मुझसे इतनी नफरत क्यों करते है? ''* उसने मुझसे कहा क्योकि तुम्हे मेरे स्वरूप में बनाया गया है, और वह मुझसे नफरत करते है।'' आप जानते है कि शैतान परमेश्वर को नुकसान नही पहुँचा सकता है। वह परमेश्वर को नुकसान नही पहुँचा सकता है, परन्तु वह उसकी सृष्टि को नुकसान पहुँचा सकता है। इसलिए शैतान मनुष्यजाति से नफरत करता है, और उसको धोखे से नरक में लेकर जाता है और उस पर बिमारियाँ डालता है, और सब कुछ करता है कि परमेश्वर की सृष्टि को नुकसान पहुँचे।

(परमेश्वर की शान्ति)

तब परमेश्वर में मुझमें अपने विचारों का सैलाब डाल दिया। उसने अपने दिल का एक भाग मुझे छूने दिया कि वह मनुष्यजाति से कितना प्यार करता है। विश्वास ही नहीं होता, मैं उसे ले ही नहीं सका। वह इतना अधिक था। जो प्रेम उसके पास मनुष्य के लिए है, उसे आप इस शरीर में ले ही नहीं सकते है। आप जानते है कि आप अपनी पत्नी और बच्चों से कितना प्रेम करते है? जो प्रेम हमारे पास है उसकी तुलना हमारे लिए परमेंश्वर के प्रेम से नहीं कर सकते है। उसका प्रेम हमारे प्रेम से और हमारे प्रेम करने की सामर्थ से भी कही ज्यादा असीमित और विशाल है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे *इफीसियों 3 : 19* में लिखा है '' .....मसीह के प्रेम का ज्ञान प्राप्त कर सकों जो ज्ञान से परे है.....''वह ज्ञान से इतना परे है कि आप उसे समझ नही सकते हो। मैं विश्वास ही नहीं कर पाया कि वह मनुष्य जाति से कितना प्रेम करता है, कि सिर्फ एक ही मुनष्य होता तो वह उस मनुष्य के लिए भी मर जाता ताकि वह इस जगह पर न जाए और यह उसको इतना दुख देता है कि उसकी सृस्टि में से एक भी इस जगह पर जाए। यह प्रभु को पीड़ा देता है, वह एक भी मनुष्य के जाने से रोता है और मुझे प्रभु के लिए दुख हुआ।

मैंने उसके हृदय को महसूस किया, उसने अपने हृदय का एक टुकड़ा मुझे दिया। उसको अपनी सृष्टि को वहां जाता देख बहुत दुःख महसूस होता है। और मैनें सोचा, *''मुझे वहां जाना है और गवाही देनी है और अपनी आखरी सांस तक मैं प्रभु यीशु मसीह के बारे में इस दुनिया को बताऊँगा की वह कितना अच्छा है।''* मेरा मतलब हमारे पास सुसमाचार है। यह शुभ सन्देश है और दुनिया इस बारे में नही जानती है। उनको बताना होगा। हमें यह ज्ञान बांटना होगा। लोगों के पास इस क्षेत्र का कम ज्ञान है। परमेश्वर चाहता है कि हम लोगों में यह बांटे कि वह कितना अच्छा है, और वह इस जगह से कितनी नफरत करता है।

उसने मुझसे यह भी कहा, ''उनको बताओं कि मैं बहुत जन्द, बहुत जल्द आने वाला हूँ और उसने मुझसे फिर से कहा, ''उन्हे बताओं कि मैं बहुत जल्द आने वाला हूँ।'' मैं अब यह साचता हूँ कि मैंने उससे यह

क्यों नहीं पूछा कि, '' *आपका क्या मतलब है, प्रभु? जल्द से क्या मतलब है?* ऐसा ही हम सोचते है। परन्तु मैंने नही पूछा। आप बस उस वक्त यह नहीं सोचते है कि आपको यह सब पूछना है। आप बस उसकी आराधना करना चाहते है। उसके साथ रहने पर जो उसकी शान्ति आप पर आती है उसको समझाया नहीं जा सकता है। मैं अभिषिक्त सभाओं में गया हूँ परन्तु परमेंश्वर के प्रेम और शान्ति से कोई तुलना नहीं की जा सकती है जो आप उसके साथ होने पर महसूस करते है।

मैंने फिर से उन दुष्ट आत्माओं को दिवारों पर देखा वह कितने भयानक थे। वे चींटीयों के समान उन दिवारों पर दिखाई दे रहे थे। मैं उन पर से ध्यान नहीं हटा पा रहा था। मैने सोचा, *''प्रभु यह तो चींटीयों के समान है।''* और उसने कहा, ''तुम्हे बस उन्हे मेरे नाम से बान्धना है और मेरे नाम से उन्हे भगा देना है। '' मैने सोचा, *ओह! परमेश्वर ने चर्च को क्या सामर्थ दी है।* यह जो इतने भयानक है हम तो शैतान की तुलना में कुछ भी नहीं। यीशु मसीह के बगैर कुछ भी नहीं । यह भयानक है परन्तु हम परमेश्वर के साथ हो तो यह कुछ भी नहीं। मेरे अन्दर उसी समय निर्भीकता जागी, मैने जब इन जीवों को देखा तो मुझे महसूस हुआ कि मैं कहूँ, *''जीवों तुम मुझे जो यातनाऐं पहुँचा रहे थे, मुझे चीरना चाहते थे आ जाओ! अब आ जाओं!'* शायद मेरें अन्दर का कुछ भाग जाग गया था फिर कुछ और आप समझ सकते है, मैंने सोचा, *''प्रभु यीशु उन्हें पकड़ लो।''*

(नरक को छोड़ना)

जैसे हम जाने लगे, हम पृथ्वी की सतह के ऊपर चलने लगे। हम ऊपर की ओर गए क्योकि हम अभी भी सुंरग में थे। जल्द ही मुझे दिखना बन्द हो गया, क्योकि वह एक बवण्डर में हम थे। हम ऊपर की ओर जाते रहें। हमको बाहर निकलने के लिए ऊपर की ओर ही जाना था। जब हम ऊपर पहुँच गए तब मैंने नीचे पृथ्वी की ओर देखा और वह लगभग इतना ऊचाँ था। पृथ्वी का घुमाव इस प्रकार से था। पृथ्वी की ओर देखना अद्भुत है। मैं जानता था परमेश्वर ने मेरे लिए यह होने दिया। वह चाहता तो वह सुंरग किसी भी रास्ते से छोड़ सकता था। वह मेरे हृदय को जानता था, जब मैं बच्चा था तो मैं हमेशा देखना चाहता था कि पृथ्वी ऊपर अंतरिक्ष से कैसे दिखती है। शायद मैं बहुत ज्यादा स्टार ट्रेक देखता था पता नहीं? मैंने सोचा पृथ्वी को देखना तो बहुत ही अच्छा होगा, और इस प्रकार से निराधार लटके हुए देखना जैसा कि बाइबिल में भी लिखा है। यह *अय्यूब 26 : 7* में लिखा है–

परमेश्वर उत्तर दिशा को शून्य में फैला देता है। वह पृथ्वी निराधार लटका देता है।

जैसे आप देखते है, आप सोचने लगते है *'इसको किस चीज ने पकड़ रखा है? क्या इसे इतनी परिपूर्णता से घूमाती है?''* परमेश्वर के पास कितना नियन्त्रण है। परमेश्वर का सामर्थ जो मेरे अन्दर भर गया जो उसके

पास है वह इतना अद्‌भुत है। उसके पास कितनी सामर्थ है। हर एक चीज उसके नियन्त्रण में है। हमारे सिर का एक भी बाल ऐसा नहीं है जो ज़मीन पर गिरता हो और उसे पता नहीं हो। एक भी पक्षी ऐसा नहीं है जो ज़मीन पर गिरता हो और उसे पता नहीं हो। मेरे अन्दर इन विचारों का सैलाब उमड़ पड़ा। परमेश्वर के पास कितनी सामर्थ है। इसने मुझे अभिभूत कर दिया एक वचन है पवित्रशास्त्र में जो कि *यशायाह 40 : 22* में लिखा है कि वह प्रभु ही है तो पृथ्वी के चक्र के ऊपर विराजमान है। यह अब मैं पृथ्वी के चक्र के ऊपर था। मैंनें यह भी सोचा, *''प्रभु, कैसे खिस्टाफर कलम्बस से पहले उन्होनें पवित्रशास्त्र को पढ़ा और जान गए कि पृथ्वी गोल है।''* आप समझ सकते है? लोग आश्चय्र करते थे, वे सोचते थे कि पृथ्वी चपटी है।

खैर, जैसे हम नीचे की ओर जाने लगे हम ढालों में से होकर जाने लगे; मैं जानता था कि हम उस गरम ढाल जो पृथ्वी के चारो ओर है, हम उसमें से होकर गुजर रहे है। मैं बस जानता था। मैने तो बड़ा बेवकूफी वाला विचार भी सोचा, मैं यहाँ परमेश्वर के साथ हूँ और मैं यह सोच रहा हु *कि कवच में से होकर कैसे जाएगें ?''* आप जानते है कि अन्तरिक्ष में हमें सही कोण से बेधना होता है। हम बिना किसी परेशानी के उसमें से होकर गुजर गयें कोई आश्चर्य नहीं! मुझे निश्चय है कि प्रभु ने जरूर मेरे तरफ आँखे घुमा के सोचा होगा, ''मैं इसे सम्भाल सकता हूँ।'' *भजन संहितां 47 : 9* में लिखा है,

'पृथ्वी की ढाले परमेंश्वर की है'

परमेंश्वर का नियन्त्रण सब चीजों पर है, सब चीजों पर। मैं बस नहीं चाहता था कि वह मुझे छोड़ कर जाए। मैं बस उसकी उपस्थिति में रहना चाहता था। हम बहुत तेजी से केलीर्फोनिया प्रांत के ऊपर आ रहे थे। बहुत तेजी से हमारे घर के ऊपर आ गए। मैं अपने घर की छत के अन्दर से देख सकता था। मैने अपने आपको फर्श पर पड़े हुए पाया। मुझे इससे बहुत जोर का धक्का लगा। क्योकि मैने अपने शरीर को पड़े हुए पाया और मैने सोचा, *''वो, मैं नहीं हो सकता, मैं तो यहाँ हूँ, यह ही मैं हूँ।''* आप समझ सकते, आपने कभी अपने आप के दो व्यक्ति नहीं देखे होगें। मैंने अपने आपको वहाँ पड़े हुए पाया और मैंने सोचा, ''वह मैं नहीं हो सकता।'' और पवित्रशास्त्र में पौलूस कहता है, 'हम तो बस अपने शिविर में है।'' (2 कुरिंथियों 5 : 01) मुझे बहुत तगड़ा झटका लगा। मैंने सोचा *''ये तो सिर्फ एक शिविर है, और कुछ भी नहीं। ये तो अस्थायी है। वास्तव में मैं तो ये हूँ जो इस शरीर से बाहर है।''* यह ही अनन्तकाल है। वह ज़िन्दगी कितनी छोटी है। अगर आप सौ साल भी जीए तो भी वह कुछ नहीं! वह एक बुलबुले के समान चली जाती है जैसा याकूब 4: 14 में लिखा है। और मैंने सोचा, *''हमें परमेंश्वर के लिए जीना होगा।''* जो कुछ भी हम यहाँ करते है, वह अनन्तकाल के लिए गिना जाएगा। हमें गवाही देनी ही पड़ेगी। हमकों वहाँ पर जाना ही होगा और खोये हुओं को बचाना होगा। हम छोटी–छोटी बातों के लिए चिन्ता नहीं कर सकते है जिनसे हम इतना बंधे हुए है

और उन्ही में जीते है। हमें सचमुच में जाना ही होगा और सुसमाचार का प्रचार करना होगा और शुभ संदेश सुसमाचार सुनाना होगा क्योंकि यह सब बहुत जल्दी ही समाप्त हो जाएगा।

परंतु मैंने अपने शरीर को वहाँ पड़े हुए पाया और मैने सोचा कि यह तो ऐसा है जैसे कि आप अपनी कार से बाहर आए और कार को वापस मुड़ कर देखा। यह आप नहीं है, यह तो आपकी कार है। यह तो सिर्फ आपको यहाँ से वहाँ ले जाने के लिए है। यह मुझे इस समान प्रतित होता था। यह शरीर मुझे इस पृथ्वी पर यहाँ से वहाँ ले जाने के लिए है, परन्तु असल में मैं यह हूँ जो इस शरीर से बाहर है, और मैंने सोचा, *''प्रभु मत जाओं, मत जाओं।''* मैं बस आपके साथ थोड़ा और रहना चाहता हूँ। परन्तु वह चला गया। मैं अपने शरीर तक आया और किसी ने जैसे मुझे मेरे शरीर के अन्दर खींच लिया।

जैसे ही वह चला गया तभी वह सारा डर, यातनाऐं और अत्याचार मेरे दिमाग में वापस आ गयी। क्योकि बाइबिल में 1 यहून्ना 04 : 18 में लिखा है, '' पूर्ण प्रेम भय को दूर कर देता है।'' सो जब मैं पूरा समय पूर्ण प्रेम के साथ रहा और जब वह चला गया तो अचानक से सारा डर और नरक वीभत्सता मेरे दिमाग में आ गई। मैं सहन नहीं कर पा रहा था। मैं चीख रहा था। मैं पीड़ा में था। मैं उसके साथ नहीं जी पा रहा था। मैं जानता था कि इस प्रकार का डर इस शरीर के सहन करने की शक्ति से बाहर है। आप इस प्रकार का दबाव सहन नही कर सकते हो। आपके शरीर में इतनी ताकत नहीं है। सो तब मैंने प्रार्थना कि और प्रार्थना कर सकता था, *''मेरे दिमाग से यह निकाल दो!''*

प्राकृतिक वातावरण में आपको सब प्रकार के परामर्श से जाना पड़ता है अगर आप इस प्रकार के सदमें में से गुजरे हो तो परन्तु परमेंश्वर ने तुरन्त ही उस सदमें को मेरे अन्दर से निकाल दिया। उसने स्मृति को छोड दिया परन्तु सदमें और भय को निकाल दिया। मैं बहुत ही एहसानमंद हूँ।

खैर, इसके बाद बहुत सी बातें हुई, काश! हमारे पास इतना वक्त होता कि हम वो सारी बातें सुनते जिसके बारे में परमेंश्वर ने पुष्टि की, कि वह सब जो मेरे साथ होगी।

अगर आज रात यहाँ पर कोई ऐसा है जो प्रभु को नहीं जानता है तो आप अपने आप से एक प्रश्न पूछिए। आप पूछिए, '' *क्या मैं इन लोगों पर विश्वास करूं कि उन्होनें जो कुछ भी देखा वह वास्तविक है, यह सब लोग और बिल?''* परन्तु उससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि परमेंश्वर का वचन नरक के बारें मे क्या कहता है। क्या आप मौका चाहते है और कहना चाहते है, *''नहीं, मैं विश्वास नहीं करता हूँ की यह सच है।''* आपको फिर परमेंश्वर का वचन (बाइबिल) को फेंक देना होगा और हमें भी जो आपको यह बता रहें है। क्या आप अनन्तकाल के साथ जोखिम लेना चाहते है? वह तो मुझे बेवकूफी लगती है। आप शैतान को अनुमति नहीं दे सकते कि वह आपको धोखा दे। वह बड़ा जीव जो अनत में दिखाई दिया, वह हंस रहा था (Video)

में जैसा दिखाया गया। ऐसे ही शौतान होगा जब आप नरक में जायेगें। वह आप पर हंसेगा क्योकि आप प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करने के अवसर को खो चुके होगें। परन्तु एक बार जब आप वहाँ चले गये, फिर कभी भी वापस नहीं आ सकते है। आप किसी भी तरह से वापस नहीं आ सकते है। आप वहाँ हमेशा के लिए खो चुके होंगें।

आप अपने आप से कह रहे होगें, *''मैं तो अच्छा हूँ मैं एक अच्छा इंसान हूँ, मैं इस जगह के योग्य नहीं हूँ।''* और हो सकता है कि आप दुसरे लोगों कि तुलना में अच्छे होगें। परन्तु इससे आपको अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। हमें परमेश्वर के दरजे से अपने आप की तुलना करनी चाहिए। उसका दरजा हमारे दरजे से बहुत ऊँचा है। उसने अपने वचन में लिखा है कि अगर आपने एक बार झूठ बोला, पूरी ज़िन्दगी में सिर्फ एक बार, तो वह आपको झूठा बनाता है। अगर आपने ज़िन्दगी में सिर्फ एक बार चुराया है, कोई भी चीज सिर्फ एक बार तो वह अपको चोर बनाता है। अगर आप बिना किसी कारण से गुस्सा है, अगर आपने किसी को क्षमा नहीं किया हो जिसने आपके विरूद्ध कुछ किया हो, अगर आपने कभी किसी स्त्री के लिए वासना रखी हो, इनमें से कोई भी बात अगर आपने सिर्फ एक बार ही की हो तो वह आपको पापी बनाता है और आप स्वर्ग में नहीं जा सकते। सो आप देख सकते है वहाँ पर अपने कामों के द्वारा नहीं पहुँच सकते है। तीतुस 3 : 5 में लिखा है–

उसने हमारे धर्म–कर्म के कारण नही किन्तु अपनी दया के कारण हमारा उद्धार किया.....

आमीन, सो यह हम पर निर्भर करता है कि हम कैसे तुलना करते है। यह एक स्त्री के समान है जो एक पहाड़ी पर भेड़ो के झुण्ड को देखती है, और वह सब एकदम सफेद और खूबसूरत है। वह कहती है, *'' देखो उन सफेद भेड़ों को, वे कितनी सुन्दर दिखाई देती है। कितनी सफेद।''* वह सोने के लिए चली जाती है और सारी रात बर्फ गिरती है। वह सुबह उठती है और उन भेड़ो को देखती है और वह बर्फ की तुलना मे कितने सुस्त, मैले और धुंघले दिखाई पड़ते है। सो हमें परमेश्वर के साथ अपनी तुलना करनी चाहिए। उसका दरजा हमारे दरजे से कहीं ऊँचा है। सो हमें एक उद्धारकर्ता की जरूरत है। हम वहाँ तक अपने से नहीं पहुँच सकते है। परमेश्वर ने हमें मुफ्त में इनाम दिया है। वह *यहून्ना 14:6* में कहता है, '' सत्य और जीवन मैं ही हूँ। बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता है।'' इस जगह से निकलने का वह ही एक मार्ग है।

सो अगर यहाँ पर आप में से ऐसा कोई है जो प्रभु को नहीं जानता हो, कोई भी जिसने यीशु को अपने जीवन में प्रभु और उद्धारकर्ता नहीं स्वीकार किया हो, आप कभी भी उस क्षण में नहीं पहुँचे जब आप मुँह खोल के प्रभु को अपनी ज़िन्दगी में आने के लिए कहे क्या आप खड़े हो सकते है? अगर आप में से ऐसा कोई है तो प्रभु यीशु के लिए खड़े हो जाए। शैतान को उस जीव को अपने ऊपर मत हंसने दो। खड़े हो

जाइए, जब आपके पास अवसर है क्योकि आप नहीं जानते कि हमारे पास कितना समय बचा है। आप नहीं जानते है कि कल आप मर भी सकते है और उस जगह मे चले जाऐ।

मैं आपको बता दू कि सिर्फ उस जगह इतनी गर्मी है कि सहन से बाहर है। उन लोगो जिन्हे आपने वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर से कूदते देखा, वह एक दुसरे के हाथ पकड कर कूदे थे। वह सब कितना भयानक होगा। आप जानते है अगर आप कभी ऊंचाई पर गए होगें और नीचे देखा होगा, कूदने के बारे में सोच ही नहीं सकते है। परन्तु उन्हें उस गर्मी का सामना करना पड़ा होगा, और वह सिर्फ पाँच सेकण्ड के लिए होगा और फिर उन्हें भस्म कर देता और वहाँ तापमान लगभग दो हजार डिग्री पर होगा। वैज्ञानिक कहते है कि पृथ्वी के केन्द्र में बारह हजार डिग्री का तापमान है। सो वह आपको अनन्तकाल के लिए सहना पड़ेगा। अगर आप चाहते है कि आप उन सब से होकर गुजरें तो यह बहुत बड़ी बेवकूफी होगी। अभी समय है.....

(उद्धोवक बोलता है)

बाइबिल सरलता से बताती है कि हम सब पापी है और जो कोई प्रभु को स्वीकार करेगा वह बचा लिया जाएगा। यीशु ने कहा कि ***"जो कोई मुझे सार्वजनिक रूप से लोगों के आगे स्वीकार करेगा, उसे मै भी अपने स्वर्गीय पिता और पवित्र दूतो के आगे स्वीकार करूगाँ। परन्तु तुम अगर लोगो के आगे मुझे ठुकराते हो तो, मै भी तुम्हे अपने पिता के आगे ठुकरा दूगाँ।"*** मैं चाहता हूँ कि आप यह करे अगर आपने सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने प्रभु यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता नहीं स्वीकार किया है और उसे अपने जीवन का प्रभु नहीं माना है या आपको निश्चय नहीं है कि स्वर्ग आपका अनन्तकाल का घर नहीं है तो याद रखिए यीशु आपके लिए क्रूस पर मर गया, बाजार में वह आपके लिए क्रूस पर चढ़ गया, उसने आपके लिए शर्म को भोगा।

अगर आप यह प्रार्थना अपने दिल की गहराईयों से करते है, तो परमेश्वर आपकी आत्मा को बचाएगा और वह आपको बहुत जल्द यह मौका देगा कि आप सार्वजनिक रूप से बोले। हमारे साथ प्रार्थना किजिए, खास तौर से जो कलीसिया में है और जानते है कि करना चाहिए। **"परमेश्वर मैं आप पर विश्वास करता हूँ। आप मेरे रचयिता है। मैं पापी हूँ। मैने कई बार पाप किया है कभी जानबूझ कर और कभी अनजाने में। मैं गिरा हुआ हूँ। मैं चूक गया। मुझे पाप का कंलक लगा है। यीशु मैं आप पर विश्वास करता हूँ। आप अनन्त परमेश्वर के इकलोते पुत्र है। आप परमेश्वर के मेमने है जो इस संसार के पाप को लिए जाता है। जिसने मेरे पाप को ले लिया। मैं विश्वास करता हूँ कि आप क्रूस पर मर गए। आपने अपना बहुमल्य रक्त मेरी दोषी आत्मा के लिए बहाया। मैं विश्वास करता हूँ कि आप गाढ़े गए और तीसरे दिन जी उठे। आप हमेशा के लिए ज़िन्दा है। मैं आपको अपना प्रभु बुलाता हूँ। मैं अपना जीवन आपको दे देता हूँ।**

मैं आपसे प्रेम करूगां। मैं आपका हूँ, मेरी अच्छी बातें, बुरी बाते, पाप, मेरी सारी योजनाएँ, मेरे सारे स्वप्न, सब कुछ मैं आपको देता हूँ। आपकी इच्छा मुझ में पूरी हो। मैं विश्वास करता हूँ कि मैं बच गया हूँ। अच्छे कामों के द्वारा नहीं परन्तु विश्वास के द्वारा, आप पर विश्वास करने के द्वारा। प्रभु यीशु के नाम से मैं प्रार्थना करता हूँ। आमीन

(देर तक तालियाँ)

उस प्रकार का उत्तर बिल्कुल सही है। बाइबिल कहती है, कि जब कोई पापी पश्चाताप करता है तो उसके लिए स्वर्ग में बड़ा आनन्द मनाया जाता है। और बहुत थोड़ा सा जानते है कि स्वर्ग में क्या होता है जब वह देखते है कि आपने आज क्या किया। मैं बाकी लोगों को सम्बोधित करना चाहता हूँ और फिर मैं बन्द करूगां। मैं उन सभी लोगों को आगें बुलाना चाहूँगा, तो आज इसके गवाह है। हम बहुत ही सौभाग्यशाली है कि भाई बिल ने जो कुछ भी अनुभव किया वह हमने सुनां मैं आपको एक चुनौती देता हूँ और आपको चेतावनी भी देता हूँ कि आप इसको तब तक स्वीकार न करे जब तक कि आप पवित्र आत्मा के जीवन में काम के लिए तैयार न हो जाए। मैं चंचल बनने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, मैं सिर्फ इतना कह रहा हूँ की तब तक स्वीकार न करे जब तक की आप वाकई में इसके लिए गंभीर न हो। इसके दो भाग है। पहला, मैं मनुष्य के डर का कभी भी आगें से सामना नहीं करूँगा। एक सबसे बड़ा आपको रोकने वाला वह यह है कि आप सचमुच में जानते है कि स्वर्ग और नरक है। मैं मनुष्य के डर का फिर कभी सामना नहीं करूँगा। दुसरा, मैं जितनों को जानता हूँ उन सभी से अपनी बाकी ज़िन्दगी प्रभु यीशु और स्वर्ग और नरक के बारे में बात करूँगा। यह एक बहुत बड़ा समर्पण है। जितने लोग जिनको मैं जानता हूँ जिन्होनें लोगो को मसीहा के बारें में बताया, उन सबने इन दो बातों का समर्पण किया। हमारा दुसरों के साथ क्यों सम्बन्ध होगा अगर हम उस महान शुभ सन्देश को न बांटे जिसने हमारी आत्मा को नरक से बचाया। यह तो हमारी आत्मा में एक कुकर्म होगा अगर हम किसी को जानते है, उनके साथ बात करते है, उनके साथ मजे करते है, उनकी उपस्थिति का आनन्द उठाते है परन्तु उन्हें कभी नहीं बताते है कि बिना प्रभु के वे नरक में जा रहे है। हर सम्बन्ध एक द्वार होना चाहिए कि आप सच्चाई को बताए जिसके आप आज गवाह बने है। यह तर्कसंगत है। मैं समझता हूँ अगर आप इसके लिए तैयार नहीं है। परन्तु अगर आप यह दो समर्पण करने के लिए तैयार है, अगर आप सहमत है, तो यह परमेश्वर से कहिए, ***"परमेंश्वर, मैं आप पर विश्वास करता हूँ। मैं आपके बेटे प्रभु यीशु, आपकी बहुमुल्य पवित्र आत्मा पर विश्वास करता हूँ। मैं इस घड़ी की चुनौती को स्वीकार करता हूँ। मैं घोषित करत हूँ, यह मेरी स्वीकारोक्ति है। मैं अब फिर कभी मनुष्य के डर से नहीं डरूगां। मैं फिर कभी मनुष्य की राय की चिंता नहीं करूगां। मेरी प्रतिष्ठा का कोई महत्त्व नहीं है। मैं मनुष्य के डर से***

नफरत करता हूँ। प्रभु यीशु, मैं अपनी बाकी की ज़िन्दगी को तेरे बारे में बताने में बिताऊंगा। स्वर्ग और वो जगह जो नरक कहलाती है, उसके बारे बताऊगां। मैं तेरे लिए खड़ा हो जाता हूँ, मैं फिर कभी उदासीन, चिन्तित नहीं बनूगां। मैं आपके वचन को स्वीकार करता हूँ, मैं नहीं डरूगां और मैं बोलूगां। यह मेरी सर्वशक्तिमान परमेंश्वर के लिए स्वीकारोक्ति है।'' इस पूरे शहर, देश और जगत के लिए अपनी सेना को खड़ा कर, ऐसे लोग जिन्होने इस समय जिसमें यह रह रहे है उसको अच्छी तरह पहचाना है। ऐसे लोग जिन्होने अनन्तकाल को पहचाना है कि वह आने वाला पल है, कि वे स्वर्ग की महिमा और नरक की वीभित्सा को देखे और अपनी प्राथमिकताओं को आज्ञा दे की वह परमेश्वर का पालन करे। अब हम तेरे अनुग्रह को मांगते है। उन्होने निर्भीक होकर परमेंश्वर के सामने स्वीकार किया है। तेरे अनुग्रह के बिना यह सब कुछ नहीं हो सकता है। हम विश्वास करते है कि जो परमेंश्वर का वचन हमें करने को कहता है, उसका पालन करने के लिए तेरा अनुग्रह काफी है। अनुग्रह आप सभी लोगों पर जो यहाँ उपस्थित है, यीशु के नाम से।